राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 02 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-275 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

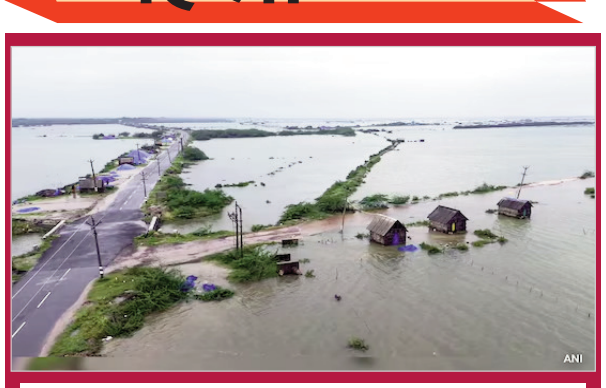

तूफान दित्वा ने बदला रुख, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ा

नई दिल्ली भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान दित्वा जो वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर केंद्रित है, पिछले छह घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ गया है। आईएमडी के मुताबिक यह सोमवार सुबह 5:30 बजे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर केंद्रित था। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु-पुदुचेरी तटों पर बना गहरा दबाव पिछले 6 घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु और पुदुचेरी के तटों से चक्रवात दित्वा के अवशेषों के केंद्र की न्यूनतम दूरी करीब 40 किमी है। मौसम संगठन ने भविष्यवाणी की है कि गहरा अवदाब संभवतः उत्तरी तमिलनाडु-पुदुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के समानांतर उत्तर की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा और अगले 12 घंटों में एक अवदाब में कमजोर हो जाएगा।

दिल्ली की हवा में हुआ सुधार, आठ साल में सबसे कम औसत एक्यूआई, आप ने उठाए सवाल

नई दिल्ली राजधानी दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इस साल पिछले कई वर्षों की तुलना में काफी बेहतर रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2025 तक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सिर्फ 187 रहा। यह कोविड लॉकडाउन वाले साल 2020 को छोड़कर पिछले आठ साल में सबसे कम है। तुलनात्मक रूप से देखें तो 2024 में यह औसत 201, 2023 में 190, 2022 में 199, 2021 में 197, 2019 में 203 और 2018 में 213 था। यानी लगातार दूसरे साल दिल्ली की हवा में सुधार का सिलसिला जारी है। गंभीर प्रदूषण के दिन भी इस बार काफी कम रहे। 2025 में अब तक महज तीन दिन ही एक्यूआई 400 के पार (सीवियर कैटेगरी) गया, जबकि 2024 में ऐसे 11 दिन, 2023 में 12 दिन और 2021 में 17 दिन थे। सबसे राहत देने वाली बात यह है कि इस साल एक भी दिन एक्यूआई 450 से ऊपर (सीवियर प्लस) नहीं पहुंचा, जो पहले हर साल नवंबर-दिसंबर में आम था। प्रदूषकों के स्तर में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। इस साल दिल्ली का औसत पीएम 2.5 स्तर 85 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो 2018 के बाद सबसे कम और लॉकडाउन वर्ष 2020 के बराबर है। पिछले साल यह 98 (2024), 90 (2023) और 2018 में 103 था। इसी तरह पीएम 10 का औसत स्तर 183 माइक्रोग्राम रहा, जो 2024 के 205, 2023 के 193 और 2018 के 228 की तुलना में काफी बेहतर है। हालांकि, आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इन आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने जानबूझकर एक्यूआई डेटा में हेरफेर किया और कई बार 500-700 तक पहुंच चुके एक्यूआई को 300-400 के बीच दिखाया गया ताकि ग्रेप-3 और ग्रेप-4 की सख्त पाबंदियां न लगें और निर्माण कार्य भी बिना रुकावट चलते रहें।

मुंबई पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया, एक महिला गिरफ्तार, चार महिलाएं बचाई गईं

मुंबई अंधेरी वेस्ट में पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। घटनाक्रम में एक महिला गिरफ्तार की गई हैं, और चार महिलाएं बचाई गईं है। वर्सोवा पुलिस स्टेशन की टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर अंधेरी वेस्ट के एक होटल में छापा मारकर एक ऑनलाइन सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपी महिला जिसका नाम अलमेलु पटेल उर्फ ज्योति मधु कांबले (निवासी अंबरनाथ) बताया गया है, गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान चार महिलाओं को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया है, जिनकी उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 143(3) और पीआईटीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी ज्योति मधु कांबले ऑनलाइन माध्यम से रैकेट चला रही थी और विभिन्न गेस्ट हाउस, लॉज और होटलों में लड़कियों को भेजकर ग्राहकों से पैसे लेती थी। वह सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल करती थी। पुलिस ने एक नकली ग्राहक बनाकर आरोपी से संपर्क साधा और उसे अंधेरी वेस्ट स्थित जेपी रोड के एक होटल में बुलाया। पैसों के लेन-देन के समय पुलिस ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार किया और महिलाओं को बचाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों और इसके नेटवर्क के विस्तार की जांच कर रहे हैं। वर्सोवा पुलिस ने शहर में ऐसे अवैध नेटवर्क को खत्म करने के लिए अभियान जारी रखने का संकल्प लिया है।

नई दौड़ और मल्टीपोलर दुनिया में भारत संतुलित व शक्तिशाली खिलाड़ी बना ?

अमेरिका-चीन दोनों अन्य देशों के सामने कठिन विकल्प खड़ा करने के जिम्मेदार

कोलकाता

भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका जो दशकों तक वैश्विक व्यवस्था को चलाता था, अब नई शर्तों पर इंगेजमेंट कर रहा है। ग्लोबलाइजेशन के टूटने से लेकर चीन की मोनोपॉली, एनर्जी जियोपॉलिटिक्स, एफटीए की नई दौड़ और मल्टीपोलर दुनिया में भारत सबसे संतुलित और सबसे शक्तिशाली खिलाड़ी बनकर उभर रहा है।

जयशंकर ने मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल पर कोलकाता में कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका और चीन दोनों ही अन्य देशों के सामने कठिन विकल्प खड़ा करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब नए नियमों और शर्तों के तहत देशों से जुड़ रहा है और एक समय में एक ही देश के साथ डील कर रहा है। दूसरी ओर, चीन हमेशा अपने तय नियमों के तहत काम करता रहा है। अब उसमें और इजाफा ही हुआ है। इस स्थिति ने दुनिया के कई देशों को दुविधा में डाल दिया है। वे समझ नहीं पा रहे कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देना चाहिए या उन सौदों पर, जो इसी प्रतिस्पर्धा की आड़ में खामोशी से आकार ले रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने कहा कि ग्लोबलाइजेशन के दबाव, सप्लाई चेन की अस्थिरता और बढ़ते जोखिमों ने देशों को ऐसी रणनीतियां अपनाने पर मजबूर कर दिया है, जिनसे वे हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। यही कारण है कि देश एक ओर अमेरिका और चीन से सीधे संवाद बनाए हुए हैं, तो दूसरी ओर वे एक-दूसरे के साथ भी नए विकल्प और साझेदारियां तलाश रहे हैं। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स को लेकर देशों की बढ़ती दिलचस्पी इसी प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है। जयशंकर ने इसे हेजिंग की नीति बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की करीब एक-

तिहाई मैन्युफैक्चरिंग चीन में होती है, जिससे सप्लाई चेन की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.70 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश और गुजरात पिछड़े

नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देश का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1,70,276 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष नवंबर की तुलना में 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि को दर्शाता है।

हालांकि, यह आंकड़ा अक्टूबर 2025 में दर्ज हुए रिकॉर्ड 1.96 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी कम है।

वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह 14,75,488 करोड़ रुपये हो चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार, नवंबर का कमजोर प्रदर्शन त्योहारी सीजन के बाद बाजार गतिविधियों में आई सुस्ती और उत्पादन में गिरावट का परिणाम हो सकता है।

राज्यों के जीएसटी संग्रह के प्रदर्शन में मिला-जुला रुख रहा। नवंबर 2025 के जीएसटी आंकड़ों ने राज्यों के प्रदर्शन में असमानता को स्पष्ट किया है। जिन राज्यों में वृद्धि दर्ज हुई उनमें कर्नाटक में 5त्न, केरल में 7त्न, महाराष्ट्र में 3त्न और पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय और असम में सकारात्मक वृद्धि रही। इन राज्यों में सेवा क्षेत्र, होटल-पर्यटन और ई-कॉमर्स जैसी गतिविधियों में तेजी देखी गई है, जिससे राजस्व पर सकारात्मक असर पड़ा।

इसके साथ ही मध्य प्रदेश में 8त्न, गुजरात में 7त्न, उत्तर प्रदेश में 7त्न, तमिलनाडु में 4त्न और पश्चिम बंगाल में 3त्न में सबसे ज्यादा गिरावट रही, जो विनिर्माण और ऑटो पार्ट्स जैसे क्षेत्रों में मांग में कमी का संकेत देती है।

जीएसटी बदलावों का असर जारी

सरकार ने सितंबर 2022 में कई वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती और टैक्स स्लैब में संशोधन किए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन बदलावों का दीर्घकालिक असर अभी भी जीएसटी संग्रह पर दिखाई दे रहा है। केंद्र सरकार राजस्व स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ई-वे बिल मॉनिटरिंग, कर चोरी पर सख्ती और डिजिटल टैक्स ट्रैकिंग को और मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। फिलहाल यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दिसंबर और आगामी महीनों में बाज़ार मांग बढ़ने पर जीएसटी संग्रह दोबारा सुधार की ओर बढ़ता है या नहीं।

एसआईआर को लेकर लोकसभा में हंगामा, कार्यवाही स्थगित

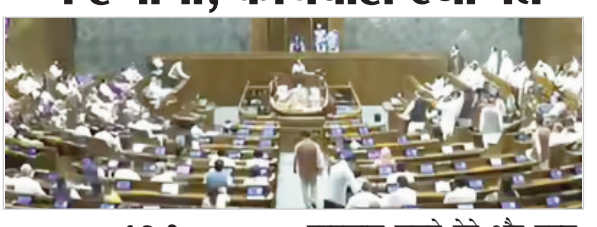

नई दिल्ली

एसआईआर (मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण) अभ्यास पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हुई। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन लोकसभा की कार्यवाही हंगामे के कारण पहले 12 बजे तक, फिर दोपहर 02:00 बजे तक के लिए स्थगित की गई। विपक्षी सांसद देश भर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर चर्चा की मांग कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों से मर्यादा बनाए रखने, प्रश्नकाल चलने देने और बहस के माध्यम से मुद्दों का समाधान निकालने का अनुरोध किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। सत्र के पहले दिन पूर्व सांसदों (जिसमें अभिनेता और पूर्व भाजपा सांसद धर्मेंद्र शामिल हैं) को श्रद्धांजलि दी गई। मोदी सरकार ने शीतकालीन सत्र के दौरान विचार के लिए कुल 13 विधेयक सूचीबद्ध किए हैं, जिनमें जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, निरसन और संशोधन विधेयक आदि शामिल हैं।

दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर एनआईए ने की छापेमारी

लखनऊ

दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर पर सोमवार को एनआईए (नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेन्सी) की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान एटीएस भी मौजूद रही। टीम ने शाहीन के पिता और भाई से पांच घंटे तक पूछताछ की। डिजिटल उपकरण समेत अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए। इस दौरान पूरे मोहल्ले में पुलिस का सख्त पहरा रहा। टीम घर के अंदर दरवाजा बंद कर पूछताछ करती रही जबकि बाहर पुलिस तैनात रही। लखनऊ के अलावा टीम ने जम्मू कश्मीर में भी 9 जगहों पर छापेमारी की।

सोमवार की सुबह एटीएस के साथ एनआईए की टीम लखनऊ के लालबाग स्थित खंदारी बाजार पहुंची। यहां पर डॉ. शाहीन का घर है। शाहीन के पिता सईद अंसारी और उनका बड़ा बेटा शोएब इसी घर में रहते हैं। काफी देर तक एनआईए की टीम ने शाहीन के पिता और बड़े भाई से पूछताछ की। टीम सुबह से करीब दोपहर 11:45 तक दोनों से पूछताछ करती रही। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में हलचल रही। टीम ने करीब 5 घंटे तक छापेमारी की। टीम में एक महिला अफसर समेत करीब 10 लोग शामिल थे। टीम के बाहर निकलते समय मीडिया ने अफसरों से रेड के बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं हुआ। कुछ ही देर में अफसर कार में

बैठकर निकल गए।

इससे पहले जम्मू कश्मीर पुलिस और एटीएस की टीम ने 11 नवंबर को भी शाहीन के घर छापेमारी की थी। 20 दिन बाद एएनआई की टीम रेड डालने पहुंची। छापेमारी के बाद शाहीन के पिता ने अंदर से घर का दरवाजा बंद कर लिया था। उन्होंने घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था। उनका कहना था कि बेटी ऐसा कुछ कर रही है, इस पर विश्वास नहीं हो रहा है।

आरबीआई की ओर से रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती संभव..... एक रिपोर्ट में अनुमान

नई दिल्ली

आने वाले समय में मुद्रास्फीति टारगेट लेवल से कम बने रहने का अनुमान है, इस बीच एचएसबीसी ग्लोबल निवेश रिसर्च की ओर से बताया गया कि आरबीआई की ओर से रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती हो सकती है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का रेपो रेट को लेकर फैसला 5 दिसंबर को आना है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि विकास दर अभी तक मजबूत बनी हुई है, जिसे सरकारी खर्च और जीएसटी-कट लेड रिटेल खर्च से बढ़ावा मिल रहा है। इसके अलावा, नवंबर फ्लैश मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 56.6 से संकेत मिलता है कि जीएसटी के कारण वृद्धि अपने पीक पर पहुंच गई है क्योंकि कुल मिलाकर नए ऑर्डर कम आ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अभी विकास दर मजबूत बनी हुई है, लेकिन मार्च 2026 की तिमाही में इसमें नरमी दिखी जा सकती है। हमें उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक आगामी दिसंबर नीति बैठक में पॉलिसी रेट को कम करेगा।

रिपोर्ट में बताया गया कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत रही, जो कि जून तिमाही के जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत और हमारे 7.5 प्रतिशत के अनुमान से अधिक रही। वहीं, ग्रॉस वैल्यू एडेड वृद्धि दर 8.1 प्रतिशत और नॉमिनल जीडीपी 8.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी। जीडीपी में वृद्धि की गति तेज रही, जिसके बहुत से कारण रहे। इनमें से एक महत्वपूर्ण कारक 22 सितंबर को लागू की गई जीएसटी दरों में कटौती रही, जिसे लेकर 15 अगस्त को घोषणा की गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, हमारा मानना है कि कंज्यूमर डिमांड में वृद्धि की उम्मीद से उत्पादन में वृद्धि देखी गई। हमारे हालिया शोध दिखाते है कि कम आय वाले राज्य अब वृद्धि की राह पर आ गए हैं, यहां तक कि वे उच्च आय वाले राज्यों से भी तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं।

किस रुट से भारत आएंगे पुतिन फंसा पेंच, आईसीसी देशों के रुट से निकले तो...

इंटरनेशनल क्रिमिनल्स कोर्ट ने यूक्रेन युद्ध को लेकर किया है अरेस्ट वारंट जारी

नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन भारत आ रहे हैं तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत आने पर उनकी गिरफ्तारी होगी? क्योंकि उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है और यह अरेस्ट वारंट आज से नहीं 2023 से जारी किया गया और युक्रेन युद्ध के लिए उन्हें अपराधी माना गया इसलिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया तो इंटरनेशनल क्रिमिनल्स कोर्ट ने जारी किया जिसके बाद से ही चर्चा तेज है कि क्या भारत आने पर पुतिन को गिरफ्तार किया जा सकता है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है। 125 देश उसके मेंबर हैं, लेकिन भारत, अमेरिका और चीन जैसे मजबूत और शक्तिशाली देश इसके मेंबर नहीं हैं।

ये लगातार देखने को मिला है कि जब से यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद से राष्ट्रपति पुतिन ना ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेते हैं ना जी से या जी8 में शामिल होते हैं। उन्हें डर है कि जैसे ही उन देशों की यात्रा पर जाएंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बता दें 4 से 5 दिसंबर को पुतिन भारत के पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे।

तेल, डिफेंस और कई रणनीतिक समझौते डील कर

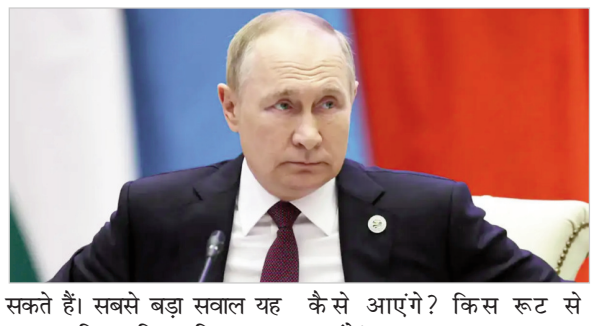

सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा कि आखिर पुतिन भारत कैसे आएंगे? किस रूट से आएंगे?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीवन के हर मोड़ पर साथ निभाता है प्यार

प्यार ! एक छोटा-सा शब्द, पर अपने आपमें अनूठा और अनुपम है। गन्ने की मिठास, सागर की गहराई, चंद्रमा की शीतलता, सूर्य की तपन, आकाश की पवित्रता, धरा का धैर्य, नदी की चंचलता मानो सभी इस नन्हे से शब्द प्यार में सिमट गए हों। यह जिंदगी को काव्यात्मक रूप दे देता है, कठोरता को कोमलता में बदल देता है यह मानवीय भावनाओं को निकृष्ट से उत्कृष्ट बना देता है।

प्रेम न बाड़ी उपजै, प्रेम न हाट बिकाय।
राजा-प्रजा जेहि रुचे, सीस देई से जाए।'

प्यार! एक छोटा-सा शब्द, पर अपने आपमें अनूठा और अनुपम है। गन्ने की मिठास, सागर की गहराई, चंद्रमा की शीतलता, सूर्य की तपन, आकाश की पवित्रता, धरा का धैर्य, नदी की चंचलता मानो सभी इस नन्हे से शब्द प्यार में सिमट गए हों। यह जिंदगी को काव्यात्मक रूप दे देता है, कठोरता को कोमलता में बदल देता है यह मानवीय भावनाओं को निकृष्ट से उत्कृष्ट बना देता है।

प्यार को हम एक ही दृष्टि से न देखें तो हमें इसके ढेर सारे रूप देखने को मिलते है। सबसे पहला और अद्‌भुत प्यार 'वात्सल्य' होता है। यह प्यार हमें माता-पिता से ही मिल पाता है। यह नि:स्वार्थ, निष्कपट, निष्पक्ष और मासूम प्यार होता है। बच्चा जब गर्भ में रहता है तो सबसे पहले उसे माँ का ही प्यार मिलता है। माँ की उँगलियों के स्पर्श से उसे अहसास होता है कि वह इस दुनिया में पहला कदम रख रहा है, वह डरा-सहमा सा रहता है, शायद इसलिए ही रोता है पर जब वह अपनी माँ के आँचल में आता है तब मां के शरीर की गंध को,उसकी उँगलियों के स्नेह स्पर्श को पहचानकर अपने आपको सुरक्षित समझ चुपचाप सो जाता है।

इस समय न उसे धन-यश की चाह होती है न ही किसी अप्सरा की, चाह होती है तो केवल अपने माता-पिता के सामीप्य की। बचपन में मिला यह प्यार उसे अंत तक सहारा देता है। इसलिए कहा जाता है कि शैशव अवस्था में बच्चों को भरपूर प्यार देना चाहिए, यह उनके व्यक्तित्व के विकास में उचित पोषण देता है। जिस तरह एक पौधे को बढ़ने के लिए उचित वातावरण, खाद, पानी और रोशनी की जरूरत होती है, उसी तरह बच्चों के समुचित विकास के लिए अच्छे वातावरण, पौष्टिक भोजन के साथ 'उचित' प्यार की भी जरूरत होती है।

प्यार का एक दूसरा रूप है 'स्नेह'। 'स्नेह' जो हमें अपने से बड़ों, पड़ोसियों और गुरुजनों से मिलता है। स्नेह ऐसा प्यार है जो हमें हमारे सद्गुणों के कारण मिलता है। यह एक तरह का प्रतिदान होता है अर्थात बदले में मिला प्यार। हम बड़ों का सम्मान करेंगे तो हमें उनसे प्यार मिलेगा, गुरुजनों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो उनसे हमें स्नेह के साथ ज्ञान भी मिलेगा। 'स्नेह' के लिए किसी से जिद्द नहीं की जा सकती, उसके लिए स्वयं को तराशना और उस योग्य बनना होता है।

प्यार का एक और रूप जो अजीब है अनबूझ पहेली की तरह है। इसे आज तक कोई समझ नहीं पाया है। यह पता नहीं किस तरह दो अजनबी को बहुत करीब ला देता है। लगता है मानो यह नियति के रूप में आता है और जीवन को काव्यात्मक आलोक दे जाता है। यह वह रूप है जो भावशून्य व्यक्ति में भी भावना की हिलोरें उत्पन्न कर देता है, मन को उद्विग्न कर देता है। आदर्शों में जीने वाला कठोर हृदय व्यक्ति भी समझ नहीं पाता कि कब, क्यों और कैसे उसके हृदय की कठोर बंजर भूमि पर प्यार का अंकुरण हो गया। उसकी आकांक्षाएं, उसके सारे ऊंचे आदर्श धरे रह जाते हैं। हर किसी के बस की बात नहीं है उस महान प्यार को पाना और देना। यह प्यार दो आत्माओं का प्यार है, दैहिकता से उठकर अलौकिक प्यार है। इस प्यार में हमें प्रतिदान की आवश्यकता नहीं रहती, यह हमें समर्पण करना सिखाता है, त्याग करना सिखाता है। हमें व्यभिचार से दूरकर संपूर्ण पवित्रता की ओर ले जाता है। यह हममें नैतिक साहस लाता है। यह वह प्यार है जो राधा और मीरा ने कृष्ण से किया था। राधा जिसने शरीर, आयु के बंधन से मुक्त होकर कृष्ण को चाहा था।

उन्होंने अपने दाम्पत्य जीवन को निभाते हुए कृष्ण को अपने दिल में जगह दी थी। उनकी आत्मा ने कृष्ण की आत्मा को चाहा था। उनका प्यार कृष्ण के कर्तव्य-पथ पर बाधक नहीं बना। राधा के प्यार में अहंकार की झलक नहीं, स्वाभिमान की खुशबू मिलती है। उन्होंने अपने प्यार में दीनता नहीं आने दी। कृष्ण के गृहस्थ-जीवन में अपना अधिकार माँगने नहीं गईं पर कृष्ण के चरण उनके हृदय में अंत तक अंकित रहे। कृष्ण का थोड़ा-सा प्यार पाकर वे तो चिर-विरहणी बन गईं। महान रूसी उपन्यासकार 'तुर्गनेव' ने भी अपने से उम्र में काफी बड़ी शादीशुदा महिला को चाहा। वह महिला अपने पति को तलाक देने को तैयार नहीं हुई तो उन्होंने आजीवन अविवाहित रहने का निश्चय किया पर उस महिला को कभी दिल से न निकाल सके। प्यार अपने साथी को कभी भी तकलीफ नहीं पहुँचाता है। सच्चा प्यार करने वाला अपने साथी के दु:ख को अपनाकर उसे सुख ही सुख देना चाहता है। कड़ी धूप में छतरी बन उसे छाया देना चाहता है। उसकी गलतियों को अपने सिर लेकर उसे अपमानित होने से बचाता है। अपने दोस्तों के बीच उसे वार्तालाप में नहीं लाता है, वह तो उसे सबसे छुपाकर अपने हृदय के मखमली डिबिया में संजोकर रखता है। वह अपने साथी की 'गरिमा' और 'प्रतिष्ठा' को बनाए रखता है। प्यार तो दिव्य है, यह कभी भी गलत नहीं होता है।

हां! प्यार करने वाले गलत हो सकते हैं। यह तो हम पर निर्भर है कि हमने प्यार को किस स्तर पर ले लिया है। हमारा प्यार सच्चा है तो हमें अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए कि सामने वाला भी ठीक हमारे जैसा हो। कभी-कभी प्यार हमें स्वार्थी बना देता है, हम अपने साथी से उतना जुड़ जाते हैं कि किसी का भी उनके करीब आना हम सह नहीं पाते। हम हर समय बस उसे अपने ही साथ चाहते हैं।

अपने प्यार को संजीवनी की तरह बनाएं जो जिंदगी को नई ऊर्जा दे सके, जीवन की खुशी की सांस ले सके। प्राप्त प्यार सच्चा है या झूठा, यह सोचकर अपने जीवन के अनमोल पल को व्यर्थ न जाने दें। हो सकता है आपके साथी की प्यार की गागर 'आधी ही भरी' हो, पर आपको उदारता से अपने प्यार को उसके गागर में छलकाते चले जाना है। एक दिन उनकी गागर छलकने लगेगी और आप उस प्यार के रस से सराबोर हो उठेंगे। प्यार पाना है हमें तो प्यार करना सीखना होगा। अपने अहं, स्वार्थ का त्याग करना होगा हम तभी हम अपने प्यार को वह दिव्य रूप दे सकेंगे। वर्ना तो-

'वो एक लफ्ज की खुशबू न रख सका महफूज
मैं उसके हाथ में सारी प्यार की किताब क्या देता?'

बदल रही है सास बहू की छवि

जब भी किसी लड़की की शादी होने वाली होती है तो सब से बड़ा डर उसके मन में सास की छवि को लेकर होता है। आमतौर पर सास के नाम के साथ यह धारणा जुड़ी होती है कि सास कभी मां की जगह नहीं ले सकती परन्तु आज के समय में यह भ्रम टूटता हुआ सा लगता है क्योंकि अब सास का स्वरूप बदलने लगा है। सच तो यह है कि ससुराल में पति के बाद आपकी सास ही वह सदस्य होती है जिससे आप बेहिचक अपने दिल की बातें कह सकती हैं। सास कैसी भी हो लेकिन आप अपने अच्छे व्यवहार से उन्हें अपना बना सकती हैं। आखिर उनमें भी एक मां का दिल धड़कता है। बस जरूरत है एक-दूसरे को समझने की।

सोच में आया है परिवर्तन

आज सास न तो बहू को खरी-खोटी सुनाने में विश्वास रखती हैं और न ही बहू-बेटे के बीच दूरियां बनाने का प्रयत्न करती हैं। वे बदल गई हैं और यही चाहती हैं कि जिस प्रकार वे किसी की बेटी से किसी की बहू बन कर गृहस्थी की सभी जिम्मेदारियों को निभाती आई हैं, ठीक उसी का अनुसरण उनकी बहू भी करे। कुल मिला कर वे अपनी बहू की रोल मॉडल बनना चाहती हैं।

रिश्तों से परिचित कराती हैं सास

ससुराल में सास एक ऐसी सदस्य होती है जो परिवार के प्रत्येक सदस्य के व्यवहार और आदतों से परिचित होती है। वह अपनी बहू को उन सबसे परिचित करवा कर उनके दिलों को जीतने की कला भी बताती हैं। सास द्वारा मिली जानकारी से आप सब की अच्छी तरह देखभाल कर सकती हैं और उन्हें प्रेम व सम्मान देकर उनकी प्रिय बन सकती हैं। इससे आपके व उनके रिश्तों में मजबूती आएगी।

सास होती है बेहतर काऊंसलर

सास एक मां होती है इसलिए उसे अपनी बहू अपने बच्चों की तरह ही लगती है। अगर बहू-बेटे में किसी बात को लेकर तनाव की स्थिति पैदा होती है तब सास ही दोनों में सुलह करवाने का सेतु बनती है। सास और बहू में इतना खुलापन अवश्य होना चाहिए कि बहू अपने पति या परिवार से संबंधित कोई भी परेशानी उनसे बांट सके। इससे संबंधों में निकटता बनी रहेगी। कई बार कम अनुभव के कारण बहू जिम्मेदारियां पूरी तरह नहीं निभा पाती, तब सास ही सब मैनेज करने के गुर बताती है। जब सास अपने बहू-बेटे को खुश देखती है तो वह संतुष्ट होती है क्योंकि वह आज की आधुनिक सास है।

देती हैं इमोशनल सपोर्ट

अगर आप शादी के बाद नौकरी करती हैं या घर संभालती हैं तब सास के अनुभवों से आपको बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है क्योंकि उन्होंने आपसे अधिक दुनिया देखी है। दुख और तकलीफ के क्षणों में वह इमोशनली सपोर्ट का काम करती हैं व आपकी समस्या का समाधान बड़ी समझ और धैर्य से ढूंढती हैं। इन सबके बीच वह जाने कब आपकी सुख-दुख की सच्ची सहेली बन जाती हैं और आप उनके साथ घूमने, मूवी देखने या शापिंग पर भी जा सकती हैं।

रीति-रिवाज और संस्कार सिखाती

शादी होते ही लड़की को ससुराल के रीति-रिवाजों की ही पालना करनी पड़ती है। आपकी सास उन सबसे आपको अवगत कराती है। आप खुशनसीब हैं क्योंकि सास के रहते आप की जिम्मेदारियां कुछ कम हो जाती हैं। आप बेफिक्र होकर कहीं भी घूमने जा सकती हैं। नौकरी करती हैं तो बच्चों को निशचिंत होकर उनके पास छोड़ सकती हैं। बच्चों को अकेलापन नहीं झेलना पड़ता और सबसे बड़ी बात अपनी दादी मां की स्नेह भरी छत्रछाया में वह स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। उनमें मिल-बांट कर खाने-पीने और साथ रहने की भावना पनपती है।

सास-बहू में तालमेल है जरूरी

पति के परिवार और परम्पराओं को समझने व उनसे जुड़ने का सास से बेहतर कोई साधन नहीं हो सकता लेकिन आपको भी अपनी सासू मां को अपनी मां जैसा मान-सम्मान देना होगा। दोनों में किसी भी बात को लेकर छुपाव नहीं होना चाहिए बल्कि एक-दूसरे के प्रति ऐसी स्वच्छ भावनाएं छिपी हों कि बिना कहे ही वे एक-दूजे के मन की बात को भली-भांति समझ लें। जिस प्रकार आपको अपनी सास से उम्मीदें होती हैं ठीक उसी तरह उन्हें भी आप से उम्मीदें होती हैं। आज के समय में यह सच है कि जहां सास अपनी बहू के प्रति उदार हुई हैं, वहीं बहू के मन में भी सास के प्रति सम्मान की भावना बढ़ी है।

समय के साथ-साथ हो रहा है सोच में बदलाव

महिलाएं बड़ी कुशलता से घर व दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। बदलती जीवन शैली ने महिलाओं की सोच को तो बदल दिया है पर घर व दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते वे कई बार संवेग में आकर कई गलत फैसले ले लेती हैं।

समय के साथ-साथ महिलाओं की सोच में काफी बदलाव आया है। अब वे बड़ी कुशलता से घर व दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। बदलती जीवन शैली ने महिलाओं की सोच को तो बदल दिया है पर घर व दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते वे कई बार संवेग में आकर कई गलत फैसले ले लेती हैं। उनके मुंह से निकले अपशब्द और किया गया व्यवहार उनको दूसरों से अलग कर देता है और वह खुद ही धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार होकर मानसिक पीड़ा से गुजरने लगती हैं। एक ऐसी ही स्थिति उत्पन्न होती है जब किसी महिला की कोई वस्तु गुम हो जाए। अगर गुमशुदगी बड़ी हो तो पुलिस में रिपोर्ट लिखवाएं, अन्यथा खुद ही तफ्तीश शुरू कर देती हैं। अक्सर देखा गया है कि गुम हुई वस्तु को हर जगह ढूंढने के पश्चात विफल रहने पर वह किसी न किसी पर शक की सूई घुमा लेती है। यह सूई उसकी काम वाली बाई, उसी समय मिलने आए दोस्त या रिश्तेदार पर चली जाती है।

वह बहुत जल्द तलाशी लेने लगती है और बिना सोचे-समझे आवेश में आकर किसी एक पर इल्जाम लगा कर बदनामी मोल ले लेती है। कई बार हम कोई वस्तु कहीं रख कर ऐसे भूल जाते हैं मानो हमने रखी ही न हो। फिर वह कई दिनों, यहां तक कि कई महीनों या सालों के पश्चात अचानक घर से ही मिल जाती है। तब हमें अपनी गलती का एहसास होता है परन्तु कई बार वस्तु सचमुच चुरा ली गई हो और वह महिला सही अनुमान भी लगा रही हो फिर भी बिना सबूत के उस पर कौन विश्वास करेगा। उल्टा सब लोग उस स्त्री से पीछे हट जाएंगे। हर कोई उसके इल्जाम लगाने की प्रवृत्ति की वजह से उससे कतराने लगेगा। इसी कारण महिलाएं काफी समय अपनी ही कही बातों के जंजाल में फंस कर दोहरे मानसिक दबाव में धंस जाती हैं। एक तो उसकी वस्तु गुम हुई दूसरा वह तलाशी लेकर या इल्जाम लगा कर दूसरों में बदनाम हो जाती है। इतना ही नहीं कोई भी काम वाली बाई उसके घर काम करना पसंद नहीं करती चाहे वह महिला व्यवहार में कितनी भी अच्छी और दयालु क्यों न हो। ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी है -

- सबसे पहले हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए कि अगर हम एक उंगली किसी एक की ओर उठाएंगे तो तीन उंगलियां हमारी तरफ भी उठेंगी। इसलिए संयम रखें, धैर्य से व्यवहार करें। किसी पर इल्जाम न लगाएं। दूसरों से वस्तु ढूंढने में सहायता मांगें।
- याद रखें जिसने आपकी चोरी की है वह आपको वस्तु कभी नहीं लौटाएगा और न ही उस वस्तु को अपने पास रखेगा। इसलिए तलाशी लेना ज्यादातर फिजूल ही होता है और बद्दुआएं देने से आपकी अपनी जुबान खराब होगी।
- अगर आपको किसी से अपना शक सांझा करना हो तो आप पति, बेटा, बेटी या मां-बाप आदि से बात करें और उनसे बात को गुप्त रखने का वायदा लें।
- हर कीमती या प्रिय वस्तु को अलमारी में रख कर ताला लगाएं और चाबी अपने पास रखें। पहले अपनी वस्तु को अच्छे से ढूंढें फिर चोरी के बारे बताएं।
- हमेशा अपनी कीमती चीज संभाल कर रखनी चाहिए या फिर उसकी जिम्मेदारी किसी को देकर जाएं।
- याद रखें इस जीवनकाल का काफी समय आप बिता चुकी हैं और कुछ ही समय बचा है। वस्तु मिले या न मिले, वस्तु साथ नहीं जाएगी, लेकिन आपका व्यवहार लोग आपके बाद भी याद रखेंगे। आप इस मानसिक स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करें। अब आप महसूस करेंगी कि आपने वस्तु तो गंवाई परन्तु संतुलन बना कर कई रिश्तों को गंवाने से बचा लिया। यह सोचते ही आपका मन हर्षोल्लास से भर जाएगा और आप गुम हुई वस्तु को भूलने लगेंगी।

म``

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसडब्लूआरईएल को अदाणी ग्रीन एनर्जी से मिला 1,381 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अदाणी ग्रीन एनर्जी से करीब 1,381 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। एसडब्लूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से करीब 1,381 करोड़ रुपये का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी ग्रुप के एक प्रमुख अे धिकारी (वैश्विक) ने कहा कि हमें अदाणी ग्रीन के साथ समझौते की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह साझेदारी तेजी से बढ़ते भारतीय सौर बाजार में हमारे ईपीसी नेतृत्व को मजबूत करती है।

मारुति सुजुकी ने एसएमजी के साथ विलय प्रक्रिया पूरी की

नई दिल्ली मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि सुजुकी मोटर गुजरात के साथ विलय की योजना सोमवार से प्रभावी हो गई है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि योजना की प्रभावशीलता के परिणामस्वरूप कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में 15,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा जारी आदेश की प्रमाणित प्रति दाखिल कर दी है। इसमें पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) के मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) में विलय की योजना को मंजूरी दी गई है और तदनुसार यह योजना एक दिसंबर 2025 से प्रभावी हो गई है। योजना के तहत नियत तिथि एक अप्रैल 2025 है और इस प्रकार एसएमजी का एमएसआई में विलय पूरा हो गया है।

महिंद्रा की वाहन बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 92,670 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सोमवार को बयान में कहा कि यात्री वाहन खंड में कंपनी ने घरेलू बाजार में 56,336 वाहन बेचे, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 46,222 वाहनों की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 24,843 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के कृषि उपकरण व्यवसाय ने पिछले महीने घरेलू बाजार में 42,273 ट्रैक्टर बेचे। यह नवंबर 2024 के 31,746 ट्रैक्टर से 33 प्रतिशत अधिक है।कुल ट्रैक्टर बिक्री नवंबर में 44,048 इकाई रही जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 33,378 इकाई थी। इस महीने ट्रैक्टर निर्यात 1,775 इकाई रहा जबकि नवंबर 2024 में यह 1,632 इकाई था।

दिसंबर में निवेशकों की उम्मीदें बढ़ीं

नई दिल्ली दिसंबर को लेकर निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार हर साल दिसंबर के अंतिम पांच दिन और नए साल के पहले दो दिन बाजार में तेजी आती है, जिसे सेंटा रेली कहा जाता है। निवेशक दिसंबर में अगले साल की योजना बनाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार माहौल पहले से बेहतर नजर आ रहा है और 2026 शेयर बाजार के लिए सकारात्मक रह सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार, इस समय लार्ज कैप शेयर सुरक्षित और स्थिर मुनाफा देने वाले विकल्प हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश सोच-समझकर और सीमित मात्रा में करना बेहतर है। उनका कहना है कि पिछले महीनों में मिड और स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें गिर गई हैं और ये अब सस्ते व आकर्षक नजर आते हैं। छोटे शेयरों में 5-10 फीसदी गिरावट या कुछ महीनों की सुस्ती आ सकती है, लेकिन लंबी अवधि में बढ़त की संभावना मजबूत है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो दर यथावत रहने की संभावना

आरबीआई की एमपीसी की बैठक 3 से 5 दिसंबर तक

नई दिल्ली

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 3 से 5 दिसंबर को बैठक कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बैठक में रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है। मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ लेकिन नरम रहने की उम्मीद है। जून में 50 आधार अंक की कटौती के बाद दो बैठकों में दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़े दर यथावत रखने का कारण बन सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि दर में कोई कटौती अब संभव नहीं दिख रही है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने भी कहा कि मौजूदा स्थिति बनाए रखना उचित है, क्योंकि ढील देने की गुंजाइश कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई को दर कम करने के बजाय बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। ओपन मार्केट ऑपरेशन के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को चौथी तिमाही में संभावित तरलता समर्थन मिल सकता है। ऋण-जमा अनुपात ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर के करीब है, इसलिए बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराना जरूरी है।

बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री एक फीसदी घटी

नई दिल्ली बजाज ऑटो की नवंबर में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 2,02,510 इकाई रह गई। नवंबर 2024 में यह 2,03,611 इकाई थी। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निर्यात सहित वाहनों की कुल थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 4,53,273 इकाई हो गई। पिछले साल नवंबर में 4,21,640 वाहन बेचे गए थे। कुल घरेलू बिक्री (वाणिज्यिक वाहनों सहित) नवंबर में तीन प्रतिशत बढ़कर 2,47,516 इकाई हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में 2,40,854 वाहन बिके थे। कुल निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 1,80,786 वाहनों से 14 प्रतिशत बढ़कर 2,05,757 वाहन हो गया। नवंबर में निर्यात सहित कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 3,79,714 इकाई हो गई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में खरीदी पांच एकड़ जमीन

कंपनी 4,150 करोड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए नीलामी प्रक्रिया के जरिये हैदराबाद में 4,150 करोड़ रुपये में पांच एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा कोकापेट के नियोपोलिस में लगभग पांच एकड़ भूमि के लिए आयोजित ई-नीलामी में हिस्सा लिया। एमएसटीसी लिमिटेड के ई-नीलामी मंच के अनुसार गोदरेज प्रॉपर्टीज सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। प्राधिकरण निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आवंटन पत्र जारी करेगा। कंपनी ने कहा कि इस भूमि पर प्रीमियम आवासीय परियोजना विकिसित की जाएगी जिसका बिक्री योग्य क्षेत्रफल लगभग 25 लाख वर्गफुट होगा। इससे करीब 4,150 करोड़ रुपये की राजस्व हासिल होने की संभावना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हैदराबाद में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और गुणवत्तापूर्ण आवास की निरंतर मांग के साथ मजबूत प्रदर्शन जारी है। हम रणनीतिक अधिग्रहण आदि के माध्यम से इस उच्च-संभावना वाले बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसकी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में अच्छी उपस्थिति है।

भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक के नुकसान के साथ ही 85,641.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक फिसलकर 26,175.75 पर था। आज के कारोबार में केवल वाहन और मेटल शेयर ही ऊपर आये।

आज निफ्टी ऑटो 0.79 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.58 फीसदी बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई भी लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

लार्जकैप की तरफ ही मिडकैप का प्रदर्शन भी मिलाजुला रहा पर स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.15 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 61,043 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.45 अंक की तेजी के साथ ही 17,874.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति सुजुकी, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 86,065 के स्तर पर खुला और 294 अंकों की बढ़त के साथ 86,000 के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह, निफ्टी-50 26,325 पर खुला और शुरुआती 20 मिनटों के भीतर लगभग 90 अंकों की बढ़त के साथ 26,292.55 तक पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में सोमवार की शुरुआत मिश्रित रही। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ाया, जबकि जापानी येन की मजबूती ने निक्की 225 पर दबाव बनाया, जो 1.68 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। इसके विपरीत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.56 फीसदी और चीन का शंघाई एसई 0.11 फीसदी की बढ़त में रहा। अमेरिकी बाजारों ने भी पिछले सप्ताह मजबूती दिखाई, जहां नैस्डैक, एस एंड पी 500 और डाउ जोन्स तीनों हरे निशान

क्रिप्टो बाजार फिसला, बिटकॉइन 88,000 डॉलर के नीचे

ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया

नई दिल्ली

दिसंबर की शुरुआत क्रिप्टोकरेंसी बाजार के लिए कमजोर रही है। 1 दिसंबर को एशियाई ट्रेडिंग सत्र के शुरुआती घंटों में प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन लगभग 4.3 फीसदी गिरकर 88,000 डॉलर के नीचे पहुंच गया, जबकि ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया। कॉइन मार्केटकैप के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले 24 घंटों की यह गिरावट पिछले 30 दिनों में 19.85 फीसदी की कमजोरी को और बढ़ा रही है। मार्केट में लीवरेज लिक्विडेशन तेज हुआ है और केवल एक दिन में करीब 16 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन लॉन्ग पोजिशन लिक्विडेट हो गए।

विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक चिंताओं और बैंक ऑफ जापान द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंकाओं ने एशियाई बाजारों में दबाव बढ़ाया है। जापानी बॉन्ड यील्ड का 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंचना भी बिकवाली का बड़ा कारण बना। गिरावट के दौरान बिटकॉइन 4.63 फीसदी टूटकर 86,440 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था।

इसका मार्केट कैप 1.72 ट्रिलियन डॉलर तक सिमट गया, जबकि 24 घंटे का ट्रेडिंग वॉल्यूम 40 फीसदी से अधिक उछलकर 52.4 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। तकनीकी विश्लेषण में बिटकॉइन का 90,954 डॉलर का सपोर्ट लेवल टूटना गिरावट को और गहरा कर गया है।

सीआईआई ने बजट में रखी हरित वित्त और सर्कुलर इकोनॉमी सुधार की मांग

नई दिल्ली भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से आगामी बजट में हरित परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध वित्तीय संस्थान (जीएफआई) स्थापित करने की मांग की है। सीआईआई के अनुसार अगले 10-15 वर्षों में हरित परियोजनाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपए और 2070 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का निवेश अंतर होगा। मौजूदा हरित वित्त केवल आवश्यकता का एक चौथाई पूरा कर पा रही है। सीआईआई ने कहा कि यह संस्था मध्यस्थ के रूप में काम करेगी, जिसमें बहुपक्षीय बैंक, सॉवरिन फंड और परोपकारी संस्थाएं शामिल होंगी और कोई प्रत्यक्ष सरकारी व्यय नहीं होगा। इसे गिफ्ट सिटी में स्थापित करने की सिफारिश की गई है। यह रियायती वित्त, क्रेडिट गारंटी, इक्विटी समर्थन और छोटे हरित एसेट्स के प्रतिभूतिकरण जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। सीआईआई ने चेतावनी दी कि ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में खनिज आयात निर्भरता बढ़ रही है। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अनिवार्य रीसाइक्लिंग, शहरी खनन लक्ष्य और स्क्रैप निर्यात पर प्रमाणन लागू करने की सिफारिश की गई है।

दिसंबर की शुरुआत में राहत, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपए सस्ता

घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

दिसंबर की शुरुआत देशभर के होटल, रेस्टोरेंट और छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए राहत लेकर आई है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर कटौती की गई है, जिससे फूड बिज़नेस और सर्विस सेक्टर की लागत में कमी आने की उम्मीद है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 1 दिसंबर से 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 10 रुपए की कमी लागू कर दी है। यह राहत ऐसे समय आई है जब नवंबर में भी प्रति सिलेंडर 5 रुपए सस्ते किए गए थे। यानी लगातार हो रही कटौतियों का लाभ सीधे-सीधे व्यापारिक उपभोक्ताओं को मिल रहा है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर का नया दाम 1580.50 रुपए हो गया है, जो पहले 1590.50 रुपए था। हालांकि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत अप्रैल से स्थिर है और अभी दिल्ली में 853 रुपए पर बरकरार है। अन्य महानगरों में भी कमर्शियल गैस के ताज़ा रेट जारी किए गए हैं। कोलकाता में 1684 रुपए, मुंबई में 1531.50 रुपए और चेन्नई में 1739.50 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध होगा। वहीं नोएडा में 1580.50 रुपए, पटना में 1829 रुपए, लखनऊ में 1703 रुपए, शिमला में 1688.50 रुपए, देहरादून में 1638 रुपए, गुरुग्राम में 1597 रुपए और रांची में 1733 रुपए में कमर्शियल सिलेंडर मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोना-चांदी के दाम नई ऊंचाई पर

- सोना फिर 1.30 लाख के पार, चांदी में भी 1,78 लाख से ज्यादा तेजी

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में सोमवार को सोना और चांदी के भावों में रिकॉर्डतोड़ तेजी देखने को मिली। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दोनों धातुएं नए उच्च स्तरों को छू रही हैं। घरेलू बाजार में जहां सोने के दाम 1.30 लाख रुपये के ऊपर मजबूती से बने हुए हैं, वहीं चांदी के भाव 1.78 लाख रुपये के पार पहुंचकर नया इतिहास रच चुके हैं।

घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट ने तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। सोना 495 रुपये की बढ़त के साथ 1,29,999 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,29,504 रुपए था।

इस समय यह 1,30,383 रुपए से अे धिक के स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें कुल 879 रुपये की तेजी शामिल है। दिन के कारोबार के दौरान सोने ने 1,30,794 रुपए का उच्च और 1,29,999 रुपए का निचला स्तर छू लिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सोना 1,31,699 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट ने भी जोरदार तेजी के साथ शुरुआत की। एमसीएक्स पर यह 1,77,858 रुपए पर खुला, जो पिछले बंद 1,74,981 रुपए से 2,877 रुपये अधिक था। इस समय चांदी 1,78,187 रुपए के भाव पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 1,78,250 रुपए का उच्च स्तर छुआ, जो इस साल का नया उच्चतम स्तर भी है, जबकि निचला स्तर 1,76,452 रुपए रहा।

नई जनरेशन डस्टर 26 जनवरी को होगी लॉन्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में एसयूवी रेनॉल्ट डस्टर फिर वापसी करने जा रही है। कंपनी का कहना है कि नई जनरेशन डस्टर को 26 जनवरी 2026 को लॉन्च किया जाएगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में इसे चारों ओर से साफ देखा गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह टेस्ट ड्राइव के लिए सीधे चेन्नई प्लांट से निकली है। नई डस्टर की डिजाइन पहले से काफी अधिक मॉडर्न और एग्रेसिव दिखती है।

इसमें वाय शेप एलईडी डीआरएलएस, नए पॉलिगोनल हेडलैम्प्स, हेवी फंट बंपर, बड़े अक्षरों में रिनॉल्ट ब्रैंडिंग, मजबूत बॉडी क्लैडिंग, स्टाइलिश रूफ रेल्स और सी-पिलर में हिडन रियर डोर हैंडल जैसे बदलाव शामिल हैं।

पिछला हिस्सा स्पोर्टी रियर स्पॉयलर, शार्क फिन एंटीना और वाय-शेप टेललैंप्स के साथ और भी आकर्षक नजर आता है। इंटीरियर में इस बार बड़ा अपग्रेड देखने को मिलेगा। इसमें ट्रिपल स्क्रीन डैशबोर्ड लेआउट, 10.1-इंच टचस्क्रीन, 7-इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस कनेक्टिविटी, डुअल-जोन एसी, ओटीए अपडेट्स, अडास, 6-एयरबैग, रियर कैमरा, पार्किंग सेंसर और ईएससी जैसी फीचर्स दिए जाने की संभावना है। इंटरनेशनल मॉडल ने यूरो एनकैप में 3-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की है। इंजन विकल्पों की बात करें तो शुरुआत में यह पेट्रोल इंजन में उपलब्ध होगी। हालांकि, बाद में कंपनी स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और संभवतः सीएनजी वर्जन भी पेश कर सकती है। लॉन्च के बाद यह 4.2-4.4 मीटर एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रिय गाड़ियों को प्रतिस्पर्धा देगी। उम्मीद है कि इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 11 लाख रुपये से कम रखी जाएगी।

शेयर और म्युचुअल फंड में घरेलू निवेश दोगुना, बैंक जमा पिछड़ा

- हर 100 रुपए बैंक जमा पर परिवारों ने 45.2 म्युचुअल फंड और शेयरों में निवेश किया

नई दिल्ली

भारतीय परिवारों द्वारा बैंक जमा के मुकाबले म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश दोगुना हो गया है। आरबीआई के नवंबर बुलेटिन के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक जमा में निवेशित हर 100 रुपए पर लगभग 45.2 रुपए म्युचुअल फंड और शेयरों में लगाए गए। जबकि पिछले वित्त वर्ष यह अनुपात केवल 21.2 रुपए था। अक्टूबर 2025 तक म्युचुअल फंडों के प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) का कुल आंकड़ा 79.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 241.7 लाख करोड़ रुपये की कुल बैंकिंग जमा राशि का लगभग 33 फीसदी है। मार्च 2025 तक यह हिस्सेदारी 29 फीसदी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, कम बैंक ब्याज दरें, वित्तीय साक्षरता में वृद्धि और फिनटेक प्लेटफार्मों की वजह से निवेशकों ने इक्विटी और म्युचुअल फंड की ओर रुख किया है। पीएल कैपिटल के एक शोध निदेशक का कहना है कि बाजार में स्थिरता के बावजूद घरेलू निवेशक इक्विटी में निवेश जारी रखेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

रांची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूँ कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूँगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, ÷उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूँ। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है।÷ हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह ख़ास है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफ़ी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

इस मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया।

यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत के बाद आउट हो गए, जबकि रोहित (51 गेंदों में 57 रन, पाँच चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी करके रांची के दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यक्रम में भारत की लय बिगड़ गई, रोहित, रुतुराज गायकवाड़ (8) और वाशिंगटन सुंदर (13) जल्दी-जल्दी आउट हो गए और भारत का स्कोर 200/4 हो गया।

रोहित की शाहिद अफरीदी से तुलना नहीं की जा सकती : अतुल वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने कहा है कि रोहित शर्मा और शाहिद अफारीदी की तुलना नहीं की जा सकती है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में तीन छक्के लगाते ही अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 51 गेंदों पर 5 चौकों के साथ ही 3 छक्के लगाकर 57 रन बनाये थे। वहीं रोहित के छक्कों के इस रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से किये जाने पर इस पूर्व किकेटर ने कहा कि यह तो सेब की तुलना संतरे से करने जैसा है। रोहित 352 छक्के 269 पारियों में लगाये जबकि शाहिद अफरीदी ने 351 छक्के 369 पारियों में लगाये थे। ये रोहित की तुलना में 100 पारियां ज्यादा है।

वासन ने कहा कि रोहित के रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से करना सही नहीं है, क्योंकि रोहित ने इसे सलामी बल्लेबाज के तौर पर 100 पारियां कम खेलकर हासिल कर लिया। इससे उनका प्रभाव पता चलता है। वहीं अफरीदी की भूमिका बाद में आकर फिनिश करना और स्लॉग करना था। लेकिन एक ओपनर के तौर पर, 100 कम पारियों को खेलकर इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना, यह दिखाता है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए कितना प्रभाव किया बताया है।

रोहित की बड़े शॉट मारने और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उनकी सफलता और भारत की जीत पर उनके सकारात्मक प्रभाव को दिखाती है। वासन ने कहा की रोहित ने पारी की तेजी से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की जीत के लिए आधार बनाया है।

बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया

-एक ही प्रारुप खेलूंगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातों को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।'

ऐस में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुममानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद । सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में पियूष चावला 113 विकेट, लुकमान मेरिवाला 108 विकेट, चामा मिलिंद107 विकेट, आकाश चौधरी 102 विकेट हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने चार विकेट पर 207 रन बनाये। इसो बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र 198 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।' कोटक ने साथ ही कहा, 'पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।' कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।' वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

एफआईएच जूनियर विश्व कप : स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुरै (एजेंसी)। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी।

भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए।

पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंगलेम्बा लुवांग थोरावोजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा।

यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्ज़रलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'

मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक , गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुई चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, होम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगल टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है। बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

रांची (एजेंसी)। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

रांची में कुलदीप की घातक गेंदबाजी से पलटा मुकाबला

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज़ गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

यानसेन-ब्रीट्ज़के की साझेदारी पर लगा ब्रेक

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

शेन वार्न को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

कुलदीप यादव ने वनडे इतिहास में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले स्पिनर बनने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। यह उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच था जब उन्होंने चार विकेट झटके :

2018 - केपटाउन
2018 - गकेरहा
2022 - दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम)
2024 - रांची

इससे पहले यह रिकॉर्ड शेन वार्न और युजवेंद्र चहल के नाम संयुक्त रूप से था। कुलदीप ने इस उपलब्धि से वह जगह हासिल कर ली जहां पहुंचना किसी भी स्पिनर के लिए गर्व की बात है।

अंतरराष्ट्रीय सूची में भी बढ़ी कुलदीप की दावेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

भारत के लिए क्यों खास है कुलदीप का यह प्रदर्शन

कुलदीप यादव की यह उपलब्धि साबित करती है कि वे भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनिंग स्पिनरों में से एक बन चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत विपक्ष के खिलाफ लगातार प्रभावी प्रदर्शन करना उनकी निरंतरता और क्लास दोनों को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारतीय स्पिन विभाग की ताकत का भी प्रतीक है।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनको अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं।जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमारा रोल शांति स्थापना का है, हमास को हथियार डालने पर मजबूर करना नहीं

– पाकिस्तान सीजफायर के बाद गाजा में अपनी सेना भेजने को तैयार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान हमास-इजराइल के बीच सीजफायर के बाद गाजा में सेना भेजने को तैयार है। इसकी पुष्टि पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की। उन्होंने कहा कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन के तहत गाजा में सुरक्षाबलों को तैनात करेगा, लेकिन पाकिस्तान सैनिक फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास को हथियार डालने पर मजबूर नहीं करेंगे। हम वहां शांति के लिए जा रहे हैं।

डार का ये बयान अमेरिकी मध्यस्थता वाले गाजा शांति समझौते पर चर्चा तेज होने के बीच आया है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों के सैनिकों से बने अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि गाजा में सेना भेजने का फैसला पीएम शाहबाज ने फील्ड मार्शल से परामर्श के बाद लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्पष्ट रूप से परिभाषित आदेश के तहत ही सेना भेजेगा और पाकिस्तानी सेना हमास को निरस्त्र करने में कोई भूमिका नहीं निभाएगी। डार ने जोर देकर कहा कि हमास को निरस्त्र करने का मुद्दा पहले रियाद में दो-राज्य समाधान पर हुई बातचीत के दौरान उठा था। पाकिस्तान इस तरह के किसी भी प्रयास में भाग नहीं लेगा। हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। हमारा रोल शांति स्थापना का है, न कि शांति लागू करने का। डार ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ ने सिद्धांत रूप से पाकिस्तान की भागीदारी पर सहमति दे दी है, लेकिन ये आईएसएफ के जनादेश और कार्यक्षेत्र के स्पष्ट होने पर निर्भर करेगा। इंडोनेशिया ने इस मिशन के लिए 20,000 सैनिकों की पेशकश की है। पिछले महीने अटकलें थीं कि पाकिस्तान को हमास को निरस्त्र करने की भूमिका सौंपी जा सकती है, जिससे देश में राजनीतिक विरोध पैदा हो गया था। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो सरकारी प्रवक्ता के इस तरह के बयानों को बेबुनियाद और अस्वीकार्य बताकर निंदा भी की थी।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पिछले हफ्ते गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए एक अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें आईएसएफ की तैनाती को भी अधिकार दिया गया था। पाकिस्तान समेत तेरह सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जबकि रूस और चीन ने मतदान से दूर रहे. हालांकि, हमास ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय बल की निंदा की थी।

नेशनल गार्ड पर हमला करने वाला अफगानी अमेरिका पहुंचकर बना कट्टरपंथी

–यह दावा होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में नेशनल गार्ड के दो जवानों पर हुए हमले की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि आरोपी रहमनुल्लाह लकानवाल की कट्टरपंथी सोच अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि अमेरिका आने के बाद विकसित हुई। यह दावा खुद होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 साल का लकानवाल पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सैनिकों पर फायरिंग की। इस हमले में 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और 24 साल के एंड्र्यू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना ने अमेरिका की राजनीति में बवाल खड़ा कर दिया। वहीं सवाल उठ रहा है कि क्या अब अमेरिका के अंदर ही अब बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि लकानवाल वॉशिंगटन स्टेट में रहने के दौरान कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि उसकी सोच अमेरिका आने के बाद बदल गई। हम उसके परिवार और समुदाय से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लकानवाल 2021 में उस समय अमेरिका आया था, जब बाइडेन प्रशासन ने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सहयोगियों को बड़े पैमाने पर निकाला था। हालांकि उसे अप्रैल में शरण ट्रंप प्रशासन ने मंजूर की थी। क्रिस्टी नोएम ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति हमले से संबंधित जानकारी छिपाएगा या सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी अमेरिकी प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने सभी असाइलम एप्लिकेशंस यानी शरण की प्रक्रिया रोक दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि पेंडिंग असाइलम केस वाले लोगों को भी डिपोर्ट किया जा सकता है, अगर उन्हें खतरा माना गया। अमेरिका ने बाइडन प्रशासन में दिए गए सभी ग्रीनकार्ड की जांच शुरू कर दी है।

बलूचिस्तान में 24 घंटे में सात धमाके, एफसी हेडक्वार्टर पर फिदायीन हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में पिछले 24 घंटों में आतंकी गतिविधियों ने एक बार फिर खौफ पैदा कर दिया है। इस दौरान कम से कम सात बड़े विस्फोट हुए और नोकुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के हेडक्वार्टर पर आत्मघाती फिदायीन हमला हुआ। हमलावर ने मुख्य गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया, जिसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भयंकर गोलीबारी शुरू हो गई। एफसी बलूचिस्तान साउथ के अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम छह हथियारबंद हमलावर परिसर में घुस आए। सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई शुरू की और अब तक तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। एफसी के प्रवक्ता ने कहा, 卐हर कमरे की तलाशी ली जा रही है। जब तक आखिरी आतंकी को खत्म नहीं कर दिया जाता, ऑपरेशन जारी रहेगा। प्रशासन ने इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर डाली है। इसी अवधि में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली भी निशाने पर रहे। क्वेटा में शनिवार को एक पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंके गए। इसके कुछ देर बाद आतंकवाद-निरोधक विभाग (सीटीडी) की गाड़ी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उसी दिन क्वेटा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लगाए गए आईईडी में धमाका हुआ, जिससे पटरी क्षतिग्रस्त हो गई और क्वेटा आने-जाने वाली सभी ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। डेरा मुराद जमाली में गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी पर भी ग्रेनेड से हमला किया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से बलूचिस्तान में आतंकी और अलगाववादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में पेशावर में एफसी परिसर पर हुए फिदायीन हमले में तीन लोग मारे गए थे, जबकि क्वेटा में पैरामिलिट्री कैंप के बाहर कार बम विस्फोट ने पूरे इलाके को हिला दिया था। कई हमलों की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी ली है।बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने एक बार फिर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। प्रांत में टीटीपी के साथ-साथ बलूच विद्रोही संगठनों की गतिविधियां लगातार सिरदर्द बनी हुई हैं।

मातम में डूबा हांगकांग, 146 लोग जिंदा जले, सवाल पूछने पर चीन ठोक रहा देशद्रोह का केस

ताई पो (एजेंसी)। हांगकांग के ताई पो जिले के वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगी। इस दर्दनाक आग दुर्घटना में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 146 हो गया है, और अभी और शव मिलने की आशंका है। कई विदेशी नागरिक, जिसमें इंडोनेशिया के सात और फिलीपींस के एक नागरिक शामिल हैं, की भी मौत की पुष्टि हुई है। आग ने कॉम्प्लेक्स के आठ में से सात ब्लॉकों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों का मानना है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि रोकी जा सकने वाली आपदा थी और यह अन्यायपूर्ण सिस्टम का जहरीला फल है। हजारों लोगों ने घटनास्थल पर फूल चढ़ाए और श्रद्धांजलि दी।

इस हादसे ने हांगकांग के निर्माण क्षेत्र में भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन पर गैर-इरादतन हत्या का आरोप है। एहतियात के तौर पर, शहर की 30 अन्य प्राइवेट कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम रोक दिया गया है। यूके के ग्रेनफेल टॉवर पीड़ितों का केस लड़ने वाले वकील इमरान खान ने आंतरिक जांच के बजाय पब्लिक इंक्वायरी (सार्वजनिक जाँच) की मांग की है।

आज इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर इमरान के समर्थक करेंगे विरोध प्रदर्शन

-प्रदर्शन के बाद पीटीआई सांसद पूर्व पीएम से मुलाकात करने जेल जाएंगे

कराची। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के सभी सांसद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन करेंगे और अदियाला जेल में बंद अपने नेता की रिहाई की मांग करेंगे। पार्टी के एक शीर्ष नेता ने इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सीएम सोहेल अफरीदी ने घोषणा की कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन के बाद पार्टी नेता इमरान खान से मुलाकात करने के लिए रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली जेल जाएंगे। बता दें इमरान खान 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं। अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान को 4 नवंबर से पूरी तरह से अलग-थलग रखा गया है और किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि मंगलवार को सभी सांसद सबसे पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय जाएंगे और अदालत के मुख्य न्यायाधीश के सामने कड़ा विरोध-प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनके आदेशों के बावजूद सीएम को इमरान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। अफरीदी ने कहा कि यह कोर्ट की स्पष्ट अवमानना ??है। हम इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में विरोध-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद पार्टी सांसद इमरान से मिलने अदियाला जेल जाएंगे।

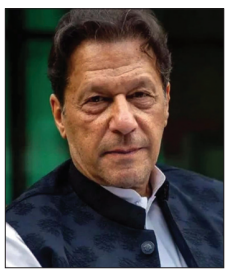

फांसी की सजा के बाद एक और मामले में शेख हसीना को 21 साल की कैद

–स्पेशल कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में दोषी ठहराते हुए नई सजा सुनाई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को ढाका की एक विशेष कोर्ट से बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में शेख हसीना को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

इससे पहले इस साल नेशनल क्राइम ट्यूबनल ने हसीना को ÷क्राइम्स एगेन्स्ट ह्यूमैनिटी÷ के लिए फांसी की सजा सुनाई थी। और इसके कुछ दिन बाद ही ढाका की स्पेशल कोर्ट ने हाल ही में हसीना को तीन भ्रष्टाचार-मामलों में 21 साल की जेल की सजा सुनाई है। जमीन घोटाला मामले में अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी ठहराया। शेख हसीना, शेख रेहाना, तुलिप रिजवाना सिद्दीक। ये तीनों राजुक द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं के मामले में दोषी पाए गए। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अब एक और मामले में दोषी ठहराया जाना उनकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति को कमजोर करता है।

तुलिप सिद्दीक जो ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद हैं उनका नाम इस फैसले में शामिल होने से यह मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया। ब्रिटेन की राजनीति और मीडिया में भी इस पर चर्चा शुरू हो गई है। अवामी लीग के नेताओं ने इस फैसले को ÷राजनीतिक प्रतिशोध÷ बताया है। उनका कहना है कि विपक्षी सरकार हसीना परिवार को ÷कमजोर करने÷ की कोशिश कर रही है। जानकारों के मुताबिक शेख हसीना की कानूनी टीम उच्च अदालत में अपील दाखिल करेगी।

एलन मस्क और कामत के पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही मची हलचल

एक्स' के जुनून पर मस्क बोले- कभी-कभी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है

वाशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क का पॉडकास्ट खूब चर्चा में है। मस्क के साथ जेरोधा के सह-संस्थापक और अरबपति निखिल कामत ने पॉडकास्ट किया। इस पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। कामत ने 96 सेकंड का नया ट्रेलर जारी किया, जिसमें दोनों के बीच हुई बातचीत और हल्के-फुल्के पलों की झलक देखने को मिली। वीडियो में दोनों कॉफी पीते और हंसते मुस्कुरात नजर आए, जिसके बाद कई यूजर्स ने यह सवाल तक कर दिया था कि क्या वाकई यह बातचीत सच में हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निखिल कामत को इस पॉडकास्ट में एलन मस्क की कद-काठी देखकर हैरानी जताते हुए भी देखा गया। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'पहली बात जो मैं कहूंगा, आप जितना मैंने सोचा था उससे कहीं ज्यादा लंबे, भारी और मस्कुलर हैं। इस पर एलन मस्क मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं, 'ओह, बस कीजिएज् आप मुझे शर्मिंदा कर देंगे। दोनों इस पर खूबर हंसते हैं।

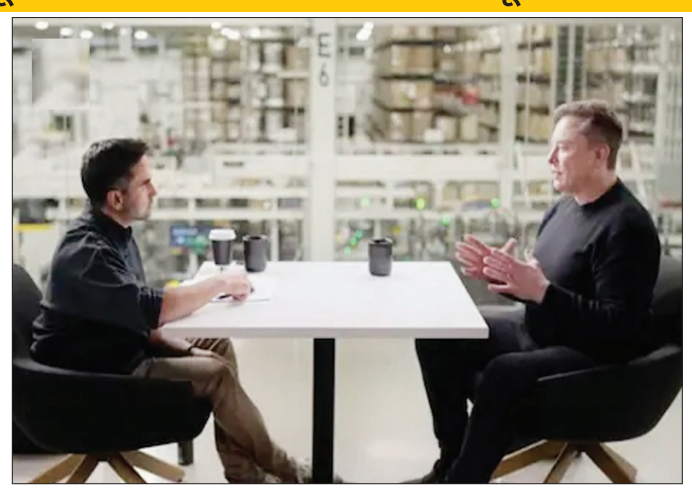

इस बातचीत में एक दिलचस्प पल तब आता है जब कामत ने मस्क से पूछा कि 'द मैट्रिक्स' फिल्म का कौन-सा किरदार वे निभाना पसंद करेंगे। इस पर मस्क कहते हैं, 'उम्मीद है कि एजेंट स्मिथ नहींज् वह मेरा हीरो है। कामत ने सवाल किया कि आखिर 'एक्स' के प्रति उनका ऐसा जुनून क्यों है, मस्क हंसते हुए कहते हैं, 'कभी-कभी मैं भी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है। जाहिर है, मस्क की कंपनियां एक्स, स्पेसएक्स और एक्सएआई सभी में इस अक्षर की झलक दिखती है।

टीजर के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर्स ने दोनों के बीच दिख रही 'केमिस्ट्री' को लेकर मजेदार कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा- जैसे ये एक-दूसरे को देख रहे हैंज्पूरा बिजनेस रोमांस लग रहा है। निखिल कामत का पॉडकास्ट पहले भी कई क्षेत्रों की बड़ी हस्तियों को एक साथ लाने के लिए चर्चित रहा है। इसके पिछले एपिसोड्स में बिल गेट्स, किरन मजूमदार-शॉ, रणबीर कपूर, नंदन नीलेकणी, कुमार बिड़ला, परप्लेक्सिटी एआई के अरविंद श्रीनिवास और वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला शामिल हो चुके हैं। इस शो में पीएम मोदी भी गए हैं, जिनका इंटरव्यू इसी साल यूट्यूब पर जारी किया गया था।

इजराइली पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार में फंसे अब राष्ट्रपति से मांग रहे क्षमादान

–कानूनी विशेषज्ञ बोले– यह क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा समते कई देशों पर हमला करने वाले इजराइल के पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार के मामलों में इस कदर घिर गए कि अब वह राष्ट्रपति से क्षमादान मांग रहे हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मुकदमे पर रोक लगवाने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति से माफी मांगी है। नेतन्याहू इजराइल के ऐसे पहले पीएम हैं जो कि मुकदमे के बावजूद पद पर मौजूद हैं। नेतन्याहू पर विश्वासघात, रिश्वत लेने और पैसे के बदले टेलीकॉम कंपनियों और हॉलिवुड प्रोड्यूसर से राजनीतिक समर्थन हासिल करने का आरोप है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में अहम बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से क्षमादान का अनुरोध किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू पर तीन मुकदमे चल रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक किसी भी मामले में दोषी नहीं करार दिया गया है। हालांकि इन मुकदमों से उनका करियर दांव पर लगा है। अगर किसी भी मामले में उन्हें दोषी पाया जाता है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि हफ्ते में तीन बार अदालत में पेश होने की उनकी अनिवार्यता एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला कदम है जिससे उनके लिए देश का नेतृत्व करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकदमे का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ देता है, विभाजन करता है और दरार को और गहरा करता है। देश के कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी यकीन है कि मुकदमे के तुरंत निपटारे से सुलह को बढ़ावा मिलेगा, जिसकी हमारे देश को सख्त जरूरत है। हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता।

नेतन्याहू के अनुरोध पर विपक्ष ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति से उनके अनुरोध को नहीं मानने का आग्रह किया। विपक्षी नेता यायर लापिड ने कहा कि आप उन्हें अपराध स्वीकार किए बिना, पश्चाताप की अभिव्यक्ति के बिना और राजनीतिक जीवन से तत्काल संन्यास लिए बिना क्षमादान नहीं दे सकते हैं।

इंडोनेशिया झेल रहा प्राकृतिक मार, बाढ़ और भूस्खलन से 400 से ज्यादा मौतें

हजारों घर बहे, सैकड़ों गांव कटे और पूरे के पूरे इलाके मिट्टी में हो गए दफन

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया इन दिनों प्राकृतिक कहर का सामना कर रहा है। करीब एक सप्ताह पहले आए ट्रॉपिकल साइक्लोन 'सिन्यार' ने सुमात्रा को ताबड़तोड़ बारिश, विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों में झोंक दिया। हजारों घर बह गए, सैकड़ों गांव कट गए और कई इलाके मिट्टी में दफन हो गए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 440 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि कम से कम 400 लोग अभी भी लापता हैं, जिनमें से कई के मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि अचेह, नॉर्थ सुमात्रा और वेस्ट सुमात्रा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित इलाका है। एजेंसी प्रमुख सुहार्यांतो ने चेतावनी दी कि सेंट्रल तापनूली और सिबोल्गा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। इन इलाकों तक न सड़क पहुंच रही है, न संचार, और न ही राहत। समुद्र और हवाई रास्तों से आपूर्ति की जा रही है, लेकिन कई गांवों तक किसी भी तरह की सहायता अब तक नहीं पहुंची है। हजारों लोग खाने और पानी के इंतजार में कई दिनों से फंसे हैं।

दुर्गम स्थितियों के बीच भयावह स्थिति है। सुमात्रा के कई इलाकों में लोगों ने भूख से मजबूर होकर दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया है। स्थानीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लोगों को नहीं पता था कि सहायता आ रही है, उन्हें डर था कि वे भूख से मर जाएंगे। इसलिए उन्होंने दुकानों से खाना और पानी उठाना शुरू कर दिया। स्थिति गंभीर है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

वेस्ट सुमात्रा की राजधानी पदांग से 100 किमी दूर सुनगई न्यालो गांव में पानी का बहाव भले ही कम हुआ हो, लेकिन अब पूरा गांव घुटनों तक मोटी, राख जैसी धूसर मिट्टी में दफन है। न घर बचा, न फसल, न वाहन। चारों तरफ सिर्फ खामोशी और विनाश नजर आ रहा है।

न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द, कई परिवारों पर संकट

– ऑडिट में पाया विदेशी लाइसेंस को बदलने की प्रक्रिया में हुई धोखाधड़ी

वेलिग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। देशभर में भारी वाहनों के लाइसेंस बदलने में मिले फर्जीवाड़े के बाद न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने कड़ा कदम उठाया। इसके चलते कई भारतीय परिवार आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी के ऑडिट में पाया गया कि विदेशी लाइसेंस को न्यूजीलैंड के लाइसेंस में बदलने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई है। पहले 440 लाइसेंस रद्द हुए थे, अब यह संख्या बढ़कर 459 हो गई है। ये सभी रद्दीकरण 'झूठे या बदले हुए दस्तावेजों' के कारण हुए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रद्द किए गए लाइसेंस सभी विदेशी ड्राइवर भारत से हैं! इनमें से 436 मामलों में यूएई से, 18 ऑस्ट्रेलिया से और पांच कनाडा से जारी दस्तावेज से जुड़े हैं। इनमें से कोई भी मामला सीधे भारतीय लाइसेंस के इस्तेमाल से नहीं जुड़ा है, क्योंकि भारत जैसे गैर-छूट वाले देशों के लिए न्यूजीलैंड ट्रासंपोर्ट के नियमों के तहत पूरी तरह से टेस्टिंग जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले न्यूजीलैंड में हजारों भारतीय ड्राइवरों ने ऑनलाइन 27-54 हजार रुपए देकर जाली 'सपोर्ट लेटर' खरीदे। ये लेटर दिखाकर उन्होंने आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस और वीजा ले लिया। सरकार पहले इन्हें मान लेती थी, इसलिए सबका काम चल जाता था, लेकिन अब ऐसे जाली लेटर बिल्कुल अवैध माने जा रहे हैं। अब इन लेटर्स से मिला लाइसेंस और वीजा रद्द हो रहा है यानी वह पुराना आसान रास्ता अब हमेशा के लिए बंद।

इनमें ज्यादातर ड्राइवर 30-35 साल के हैं और उन्होंने थ्योरी और प्रैक्टिकल टेस्ट पास किया है। इसके अलावा सांसद परमजीत परमार ने न्यूजीलैंड के ट्रांसपोर्ट मंत्री साइमोन ब्राउन को पत्र लिखकर कहा है कि ये मेहनती प्रवासी हैं जिन्होंने न्यूजीलैंड के ट्रकिंग सेक्टर में ड्राइवरों की कमी पूरी की। सभी ड्राइवरों ने समाधान की मांग की ताकि उनके परिवारों को मदद मिल सके।

ऑकलैंड के ताकानिनी गुरुद्वारे में 22 नवंबर को भारतीय ट्रक ड्राइवर और उनके परिवार जमा हुए और न्याय की मांग की। इस दिन अमृतपाल सिंह ने कहा कि न्यूजीलैंड ट्रासंपोर्ट एजेंसी ने हमारी आमदनी छीन ली है और अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? वहीं परमिंदर सिंह ने बताया कि वे अपने घर का किराया भी नहीं दे पा रहे हैं। इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें न्यूजीलैंड में ट्रक चलाने वालों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। 2022 में 3,449 ड्राइवरों की कमी थी। इस सेक्टर में भारतीय प्रवासियों की भूमिका बढ़ गई।

2025 की रिपोर्ट बताती है कि एशियाई ड्राइवर, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं अब ट्रकिंग इंडस्ट्री के 20फीसदी तक हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिएः पीएम मोदी

नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सत्र की शुरुआत लोकसभा में अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया से संवाद करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि संसद में नीति पर गंभीर और रचनात्मक चर्चा होनी चाहिए, न कि हंगामा या प्रदर्शन। उन्होंने कहा कि संसद देश की आशाओं और अपेक्षाओं का केंद्र है, इसलिए यहां ड्रामा नहीं बल्कि परिणाम व प्रभावी काम होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष समेत सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे सत्र को सुचारू, गरिमापूर्ण और सार्थक बनाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि नारेबाजी और शोर-शराबे की राजनीति से देश का भला नहीं होता, बल्कि सकारात्मक बहस और ठोस नीतिगत फैसलों से आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा, ÷सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। नारे नहीं, नीति पर जोर देना चाहिए और इसके लिए नीयत भी होनी चाहिए।÷

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में हुए चुनाव परिणामों को लेकर कुछ राजनीतिक दल अभी भी निराशा से उबर नहीं पाए हैं, लेकिन संसद इस निराशा को व्यक्त करने का स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्र किसी पक्ष की पराजय की बौखलाहट का मैदान नहीं बनना चाहिए और न ही किसी की जीत के अहंकार का मंच होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नकारात्मकता और विरोध के नाम पर हंगामा करने से लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है और देश के विकास की गति प्रभावित होती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में युवा सांसदों को अधिक अवसर देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी की सोच, ऊर्जा और दृष्टिकोण से संसद को दिशा मिलने की क्षमता है। युवा सदस्य यदि सक्रियता से सहभागिता करें तो देशहित में महत्वपूर्ण विचार और सुझाव सामने आ सकते हैं, जो आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि संसद कार्य करने की जगह है, प्रदर्शन का मंच नहीं। हमें जिम्मेदारी की भावना के साथ काम करना होगा और जनता की उम्मीदों को पूरा करना होगा।

दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू व शांतिपूर्ण चले और सार्थक मुद्दों पर हो चर्चा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष दोनों से अपील की

नई दिल्ली

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष दोनों से अपील की है कि वे संसद के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही का सुचारू और निर्बाध तरीके से संचालन सुनिश्चित करें ताकि दिल्ली में वायु प्रदूषण और मतदाता सूची के एसआईआर जैसे आवश्यक एवं जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकें। एक्स पर पोस्ट में मायावती ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है, जिसके काफी हंगामेदार होने की संभावना हैलेकिन हमारी पार्टी चाहती है

कि संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू व शांतिपूर्ण तरीके से चले और सार्थक मुद्दों पर चर्चा हो।

उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आ रही व्यावहारिक मुश्किलों और आपत्तियों के साथ-साथ काम के दबाव के कारण कथित आत्महत्या की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए बूथ-स्तर के बीएलओ के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही सुचारू एवं शांतिपूर्ण तरीके से चलनी चाहिए ताकि देश व जनहित के जरूरी एवं अहम मुद्दों खासकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली एवं इसके आस पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के कारण हो रही भारी परेशानी और एसआईआर को लेकर आ रही व्यावहारिक परेशानियों और आपत्तियों के साथ साथ बूथ स्तर के अधिकारियों की आत्महत्या जैसी घटनाओं पर ठीक से चर्चा किए जाने और इनका उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जा सकें।

वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार का उल्लंघन हो गया

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आदेश पर उठाया सवाल

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी आदेश पर आपत्ति जाहिर की हैं, जिसमें सदन में वंदे मातरम और जय हिंद सहित विभिन्न नारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की सलाह दी गई थी। राज्यसभा सांसद चतुर्वेदी ने बताया कि इन नारों परप्रतिबंध लगाना ब्रिटिश काल के शासन जैसा है और उनकी पार्टी मामले पर सचिवालय से जवाब मांगेगी। हमारी पार्टी का मुख्य एजेंडा राज्यसभा सचिवालय और केंद्र से जवाब मांगना है कि वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार और नियमों का उल्लंघन हो गया। यह ब्रिटिश काल की शासन-व्यवस्था जैसा है।

राज्यसभा सचिवालय के नोटिस को राष्ट्र-विरोधी बताकर उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वंदे मातरम और जय हिंद हमारे देश और इसके स्वतंत्रता संग्राम के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये नारे लगाना देश प्रेम के कारण है, लेकिन अब वे जो कर रहे हैं, वहां राष्ट्र-विरोधी है। केंद्र को राज्यसभा में जय हिंदी और वंदे मातरम के लिए जारी किया नोटिस वापस लेना चाहिए। यूबीटी सांसद ने कथित वोट चोरी और चुनाव आयोग द्वारा चुनावों को कमज़ोर

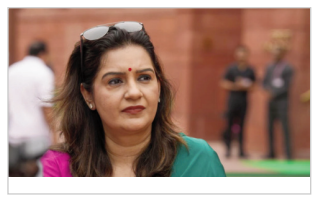

करने के साथ-साथ दिल्ली में प्रदूषण पर भी चिंता जाहिर की है। इसी तरह, लोगों के स्वच्छ हवा के अधिकार को पूरा करने का आह्वान करते हुए, उन्होंने कहा कि लोग दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा चाहते हैं... यह देश का प्राथमिक एजेंडा बनना चाहिए।

महाराष्ट्र के नगर निगमों के चुनाव में व्यापक अनियमितता, 25 से ज़्यादा नगर निगमों के चुनाव स्थगित

मुंबई

महाराष्ट्र के कई जिलों में 25 से ज़्यादा नगर निगमों के चुनाव राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा अस्वीकृत नामांकन पत्रों से संबंधित अपील प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं का पता चलने के बाद स्थगित किए गए हैं। पहले 2 दिसंबर को होने वाले मतदान अब इन क्षेत्रों में 20 दिसंबर को कराए जाएंगे। एसईसी ने ठाणे, बारामती, अमरावती, अहिल्यानगर, नांदेड़, सोलापुर, यवतमाल, धाराशिव, चंद्रपुर, अकोल और पुणे सहित कई स्थानों पर मतदान स्थगित किया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही यह निर्णय कई उम्मीदवारों के लिए बड़ा झटका है।

वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट के लिए कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो समूहों के बीच झड़प हो गई।

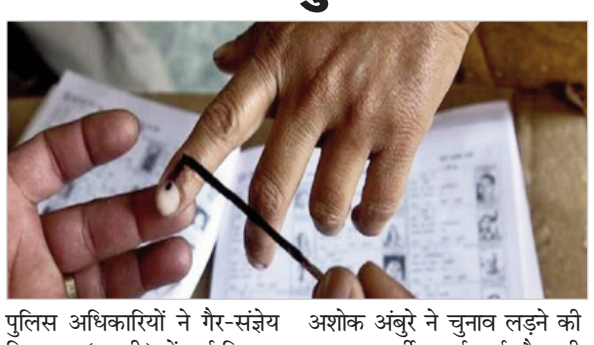

पुलिस अधिकारियों ने गैर-संज्ञेय शिकायत (एनसी) में दर्ज विवरण के हवाले से बताया कि भाजपा की शहर इकाई के पूर्व अध्यक्ष अशोक अंबुरे ने चुनाव लड़ने की इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता वैशाली चव्हाण से कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगे थे।

पीएम मोदी के बयान को कांग्रेस ने बताया पाखंड

वे खुद सदन में मौजूद नहींहोते

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद सत्र की शुरुआत से पहले बयान देना सिर्फ पाखंड को दिखाता है, क्योंकि वे खुद सदन में मौजूद नहीं होते और विपक्ष से संवाद नहीं करते। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि संसद में किसी गतिरोध के लिए खुद प्रधानमंत्री मोदी जिम्मेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि वे संसद को चुनावी हार के बाद ÷हताशा निकालने का मंच बना रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि यदि विपक्ष चाहे, तब वह राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। संसद के शीतकालीन सत्र की

शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। इस पर पलटवार कर कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी कभी संसद में उपस्थित नहीं होते और इस बात को महत्व नहीं देते हैं। वह कभी विपक्ष से संवाद नहीं करते। फिर भी प्रत्येक सत्र से पहले वह संसद भवन के बाहर खड़े होकर लोकसभा और राज्यसभा के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए विपक्ष से रचनात्मक सहयोग के लिए राष्ट्र के सामने भाषण देते हैं।''उन्होंने कहा, यदि संसद सुचारु रूप से नहीं चलती है, तब इसका दोष पूरी तरह से प्रधानमंत्री मोदी का है क्योंकि उन्होंने विपक्ष को अत्यावश्यक लोक महत्व के मुद्दों को उठाने की अनुमति देने से इंकार किया है।

सीएम ममता एसआईआर के खिलाफ मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में करेंगी रैलियां

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपना रोष जताएंगी इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा भी करेंगी। टीएमसी सूत्रों ने बताया कि सीएम ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली में उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर का दुरुपयोग किया जा रहा है।

टीएमसी अपने जिलावार अभियान को बीजेपी के घुसपैठियों का सफाया के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। टीएमसी नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में 3 और 4 दिसंबर को जबकि कूचबिहार में 9 दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का फैसला लिया गया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन तीन सीमावर्ती जिलों में अल्पसंख्यक, प्रवासी और विस्थापित आबादी काफी ज्यादा है और एसआईआर से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मालदा की रैली गजोले में और मुर्शिदाबाद की रैली बेहरामपुर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कूचबिहार की रैली 9 दिसंबर को ऐतिहासिक रास मेला मैदान में

होगी और इस ठंड के मौसम में उत्तर भारत में सीएम ममता की सबसे बड़ी रैली के रूप में पेश किया जा रहा है।

बीजेपी ने टीएमसी पर अवैध प्रवासियों को बचाने और राजनीतिक लाभ के लिए मतदाता सूची के संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया है। यहां 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दोनों पार्टियां एसआईआर मुद्दे का लाभ उठाकर अपनी-अपनी विचारधारा को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

शिवगंगा सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को सहायता की घोषणा की

नई दिल्ली

तमिलनाडु के शिवगंगा में हुए सड़क हादसे पर सोमवार को पीएम मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया, साथ ही पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की। इस हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 40 घायल हुए हैं। पीएमओ की ओर से एक्स पर लिखा-तमिलनाडु के शिवगंगा में हुए हादसे में लोगों की मौत बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपए मिलेंगे।

बता दें यह टक्कर रविवार शाम कुम्मनगुडी के पास हुई, जब दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बसों के टूटे-फूटे हिस्सों में फंस गए। स्थानीय लोग ने मदद करने दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से निकाला और अस्पताल भिजवाया। मरने वालों की संख्या बढ़ने पर आपातकालीन टीमें देर रात तक काम करती रहीं।

अधिकारियों ने दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार, कम विजिबिलिटी या चालक की थकान जैसे कारणों की बात सामने आ रही है, हालांकि

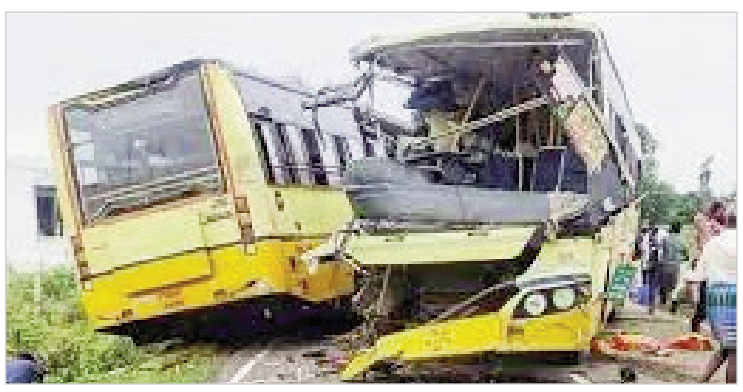

अधिकारियों का कहना है कि पूरी जांच के बाद ही असल कारण पता चलेगा। पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने सोमवार सुबह सड़क की स्थिति का आकलन करने और फोरेंसिक सबूत इकट्ठा करने के लिए दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायलों का अभी शिवगंगा और कराईकुडी के अस्पतालों में इलाज चल रहा है, कई यात्रियों की हालत अभी गंभीर है, जिससे डॉक्टरों को तैयार रखना पड़ रहा है।

कांग्रेस ने सरदार पटेल को इतिहास से मिटाने की कोशिश की

बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने 150 यूनिटी मार्च की सभा में लगाए आरोप

नई दिल्ली

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने सरदार पटेल को इतिहास से मिटाने की कोशिश की और यहां तक कि कांग्रेस ने मोदी सरकार द्वारा सरदार पटेल के स्मारक के रूप में निर्मित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की लागत और जरुरत पर भी सवाल उठाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नड्डा ने अटलदरा गांव में 'सरदार एट द रेट ऑफ 150 यूनिटी मार्च' के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि सरदार पटेल को याद किया जाए।

उन्होंने कहा कि देश के प्रथम पीएम जवाहरलाल नेहरू ने अपनी नीतियों से कश्मीर मुद्दे को बिगड़ने दिया, जबकि सरदार पटेल ने आजादी के बाद 562 रियासतों का सफलतापूर्वक देश में विलय किया। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि भारत के लौह पुरुष का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज न हो। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का निधन 1950 में हुआ था, लेकिन उन्हें 1991 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने सरदार पटेल को सच्चे अर्थों में याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी, लेकिन जब मोदी ने पटेल को श्रद्धांजलि स्वरूप गुजरात के नर्मदा जिले में दुनिया की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनाने का फैसला किया, तो कांग्रेस ने इसकी लागत पर सवाल उठाए।

संक्षिप्त समाचार

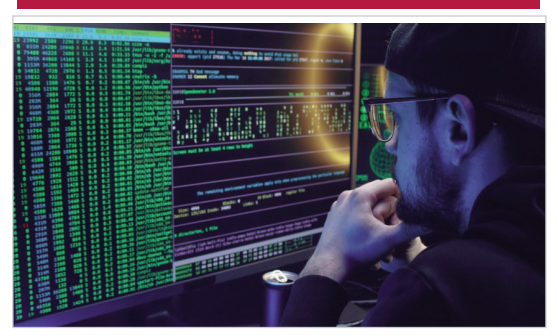

ईमेल पर भेजा लिंक.....क्लिक करते ही खाते से उड़ गए कुल 1,93,857 रुपये

नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा में हुई एक साइबर ठगी की घटना दिखाती है, जहाँ एक व्यक्ति को बैंककर्मी बनकर भेजे गए फिशिंग लिंक पर क्लिक करने के कारण 1.90 लाख रुपये का नुकसान हुआ। घटना में पीड़ित आदित्य माहेश्वरी, ग्रेनो वेस्ट के गौर सिटी दो स्थित रक्षा अडेला निवासी है। उन्होंने क्रेडिट कार्ड नहीं बनने की समस्या को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। साइबर अपराधी ने एचएसबीसी बैंक कर्मी बनकर फोन किया। इसके पीड़ित आदित्य को विश्वास दिलाया और ईमेल आईडी माँगी। ईमेल पर एक लिंक भेजा, यह कहकर कि क्रेडिट कार्ड के लिए दुबारा आवेदन करने हेतु इस पर क्लिक करें। जैसे ही पीड़ित ने लिंक पर क्लिक किया, अपराधी ने मोबाइल फोन हैक कर लिया। दो अलग-अलग बैंक खातों से कुल 1,93,857 रुपये (97,528+96,329) ट्रांसफर कर लिए।

राज्यसभा में सत्र के पहले दिन पूर्व चेयरमैन को लेकर खड़गे-रिजिजू में तीखी बहस

नई दिल्ली राज्यसभा में सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस हुई। सदन में हंगामे की स्थिति उस समय बनी जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व चेयरमैन धनखड़ के अचानक कार्यमुक्त होने का मुद्दा उठाया। खड़गे ने कहा कि ...मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा कि मुझे आपके पहले वाले राज्यसभा के चेयरमैन के ऑफिस से पूरी तरह से अचानक जाने का ज़िक्र करना पड़ रहा है...मुझे दुख हुआ कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। फिर भी पूरे विपक्ष की ओर से मैं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। मल्लिकार्जुन खड़गे को जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं बस हाउस को याद दिलाना चाहता हूं कि आप भूल गए हैं कि आपने पूर्व वाइस प्रेसिडेंट और पूर्व चेयरमैन का अपमान करने के लिए किस भाषा का इस्तेमाल किया था। आपने पूर्व चेयरमैन के बारे में जो शब्द इस्तेमाल किए थे। आपने जो रिमूवल मोशन दिया था, उसकी एक कॉपी अभी भी हमारे पास है।

करूर भगदड़ की जांच के लिए गठित समिति के सदस्य पहुंचे सीबीआई कार्यालय

तमिलनाडु तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की केंद्रीय जाँच ब्यूरो द्वारा जाँच की निगरानी के लिए सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय समिति के सदस्य, आईपीएस अधिकारी सुमित शरण, करूर में मौजदू सीबीआई कार्यालय पहुँचे। न्यायमूर्ति रस्तोगी की अध्यक्षता वाली समिति में सुमित शरण के अलावा सोनल वी मिश्रा (आईजी, प्रोविजनिंग, सीआरपीएफ, नई दिल्ली) शामिल हैं। इस समिति द्वारा अब तक जाँच में एकत्र की गई सामग्री और साक्ष्यों की समीक्षा होने की उम्मीद है। इस बीच, करूर में तैनात सीबीआई अधिकारी पीड़ितों के परिवारों, घायलों, एम्बुलेंस चालकों, पुलिसकर्मियों, टीवीके पार्टी के लोकल प्रशासकों और वेलुचमिपुरम क्षेत्र के कारोबारी से पूछताछ कर रहे हैं।

पोर्टल पर अपलोड करने की समय सीमा नहीं बढ़ेगी

सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर इंकार किया

नई दिल्ली वक्फ की संपत्तियों की डीटेल उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने की समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर इंकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे संबंधित ट्राइब्यूनल में जाकर अपनी बात रख सकते है। बता दें कि समय सीमा बढ़ाने वाली याचिकाओं में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोल्ड (एआईएमपीएलबी) और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल थी। वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय मिला है। अगर ऐसा नहीं किया जाता हैं, तब संबंधित व्यक्ति या संस्था को सजा भी हो सकती है। इसके पहले 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को पूरी तरह से स्थगित करने से इंकार किया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी थी। नियमों के मुताबिक वक्फ संपत्ति ना अपलोड करने वालों को छह माह की सजा और 20 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। जो लोग संपत्तियों को पोर्टल पर दर्ज नहीं करवाएंगे उनकी संपत्ति का दर्जा खत्म किया जाएगा और बाद में केवल वक्फ ट्राइब्यूनल के आदेश पर ही फिर से पंजीकरण हो सकेगा।